C M Y K

रायगढ़, शुक्रवार
09.06.2017
जयेष्ठ शुक्ल 14
पृष्ठ 8, मूल्य 3

साप्ताहिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Social Justice Union
www.sjunion.org

Web: www.nyaysakshi.com

3 प्रदेश के कोटवारों के..
6 देखे मनोरंजन में ....

» वर्ष-1 » अंक-11 »

खबर ए खास

केन्द्र सरकार को भैंसों की खरीद-फरोख्त से सरोकार नहीं : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार मवेशियों के वध पर प्रतिबंध के अपने आदेश से भैंसों को दूर रखना चाह रही है क्योंकि भाजपा के कुछ करीबी मांस व्यापार में शामिल हैं। गौरतलब है कि लोगों के विरोध के परिणामस्वरूप सरकार द्वारा भैंसों के खरीद-फरोख्त पर लगी रोक को हटाने पर विचार किए जाने की खबर है। ममता बनर्जी हुगली जिले के तारकेश्वर में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अब केंद्र सरकार भैंसों के वध की इजाजत देने की योजना बना रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि उनकी पार्टी के कुछ लोग भैंस मांस व्यापार में शामिल लोगों के करीबी हैं। इसलिए उन लोगों के बचाव में मवेशी वध प्रतिबंध सूची से भैसों को अलग रखने की योजना बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा लोगों के खानों की आदतों को भी नियंत्रित करने की कोशिश में है। उन्होंने कहा, 'वे कौन होते हैं यह तय करने वाले कि लोग क्या खाएंगे वे कौन होते हैं लोगों के खाने की आदतों को नियंत्रित करने वाले'।

परिवार के फायदे के लिए नहीं हुआ तेलंगाना का गठन : राहुल गांधी

चद्रशेखर राव पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर हमला बोलते हुए उनसे पूछा कि क्या राज्य का गठन केवल उनके परिवार के फायदे के लिए हुआ है। राहुल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 'सही शुरूआत' नहीं की और वो 'सही दिशा' में नहीं जा रही है। इसलिए तीन साल में तेलंगाना के लोगों के सपने पूरे नहीं हो पाए। मुख्यमंत्री के परिवार, उनके मंत्री बेटे केटी रामा राव, बेटी और लोकसभा सदस्य के. कविता, भतीजे और मंत्री हरीश राव का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए राहुल ने पूछा कि छात्र और किसान तेलंगाना के निर्माण के लिए लड़े थे या 'एक परिवार' के निर्माण के लिए। राहुल ने कहा कि क्या राज्य का गठन केवल चार लोगों के लिए किया गया था। राहुल ने मुख्यमंत्री पर छात्रों, युवाओं, महिलाओं और पिछड़े वर्गों को साथ न लेकर चलने का आरोप लगाते हुए कहा कि केवल ठेकेदारों और खनन माफियाओं को फायदा पहुंचाया जा रहा है। राहुल यहीं नहीं रुके उन्होंने एनडीए सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में एनडीए सरकार और राज्य की टीआरएस सरकार जनता से ऐसे वादे न करे जो निभाए न जा सकें। इस देश में सबसे बड़ी समस्या नौकरियां पैदा करना है और इस मामले में न केंद्र और न राज्य सरकार काम कर रही है। इसका जवाब कौन देगा उन्होंने कहा पीएम नरेंद्र मोदी और केसीआर इस बात का जवाब नहीं देते हैं तो कांग्रेस जब सत्ता में आएगी तो इसका जवाब मिलेगा।

निरुपमा रॉय को एक शीर्ष अमेरिकी संस्था में अहम जिम्मेदारी

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारत की पूर्व विदेश सचिव निरुपमा रॉय को एक शीर्ष अमेरिकी संस्था में नीतिगत मामलों का सहयोगी नियुक्त किया गया है। चीन में भारत की राजदूत रहीं 66 वर्षीय रॉय इस समय चीन-भारत समझौते के की एक परियोजना में अमेरिका में कार्य रही हैं। इस परियोजना के तहत वह एक किताब तैयार कर रही हैं। राव विल्सन सेंटर एशिया प्रोग्राम से जुड़ेंगी और वह तीन महीने तक विल्सन सेंटर में रहकर वैश्विक मुद्दों पर संस्था की नीति को अंतिम रूप देंगी। उनका कार्य खासतौर पर भारत पर केंद्रित होगा। उनका यह कार्य जून से शुरू होगा। निरुपमा रॉय भारत में विदेश मंत्रालय की पहली महिला प्रवक्ता रही हैं। विदेश सचिव के रूप में उन्होंने वर्ष 2009 से 2011 तक कार्य किया।

ऑस्ट्रेलिया को अब भी विमान एमएच-370 के मिलने की उम्मीद

कनबरा। ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री मैल्कम टर्नबुल ने शुक्रवार को कहा, 'लापता हुए मलेशियाई एयरलाइन्स के विमान एमएच-370 की खोज के लिए ऑस्ट्रेलिया सब कुछ करेगा। उन्होंने कहा कि विमान के स्थान को इंगित करने के लिए अधिक साक्ष्य की जरुरत है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक जनवरी में एक साझा बयान में ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और चीन ने एक नाकाम कोशिश के बाद जांच को निलंबित कर दिया था। उन्होंने कहा था कि मार्च 8, 2014 को कुआलालंपुर से बीजिंग की उड़ान भरने के बाद महासागर में लापता हुए बोइंग 777 जेट की खोज को निलंबित किया जाता है जब तक कि नए विश्वसनीय सबूत नहीं मिल जाते हैं। हिन्द महासागर में एक लाख 20 हज़ार वर्ग किलोमीटर में सर्च अभियान चलाने के बाद भी विमान का कोई सुराग नहीं मिला था। इसके बाद जांच को निलंबित करने का फैसला लिया गया था। टर्नबुल के एक प्रवक्ता ने कहा कि सरकार अब भी विमान को खोजने की उम्मीद कर रही है, जो उस वक्त छह ऑस्ट्रेलियाई और 153 चीनी नागरिकों को ले जा रहा था। प्रवक्ता ने समाचार कॉर्प को बताया कि प्रधानमंत्री जब भी मलेशियन समकक्ष के साथ बात करते हैं वो हमेशा इस मुद्दे को उठाते हैं।

आतंकवाद खत्म करने निर्णायक और सामूहिक प्रयास जरुरीः भारत-रूस

सेंट पीटर्सबर्ग। भारत और रूस ने दुनिया के सभी देशों से सीमा पार आतंकवाद रोकने की अपील करते हुए कहा कि इसे खत्म करने के लिए निर्णायक और सामूहिक प्रयास जरूरी है। गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बातचीत के बाद जारी दृष्टिपत्र में कहा गया है कि दोनों देश इसके खिलाफ अपना सहयोग जारी रखेंगे। रूस ने परमाणु आपूर्ति कर्ता समूह (एनएस जी) और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की मुहिम का समर्थन किया है। मोदी और पुतिन की बातचीत के बाद जारी दृष्टिपत्र में कहा गया है कि हमारा मानना है कि सुरक्षा परिषद में सुधार समय की जरूरत है। समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए इसका प्रतिनिधित्व बढ़ाना होगा। इस सिलसिले में रूस सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का जोरदार समर्थन करता है। दृष्टिपत्र में कहा गया है कि आतंकवाद चाहे वैचारिक,धार्मिक, राजनीतिक, नस्लीय, जातीय या किसी अन्य प्रकार का क्यों न हो, हम इसके सभी रूपों की निंदा करते हैं। दोनों देशों ने इसके सभी रूपों को खत्म करने का आह्वान किया है। इससे पहले जर्मनी और स्पेन की यात्रा के दौरान भी मोदी ने उन देशों के सामने यह मुद्दा उठाया था। **अटल के साथ आए थे मोदी :** प्रधानमंत्री मोदी ने 16 साल पहले की अपनी रूस यात्रा को भी याद किया। वे उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ शिष्टमंडल के सदस्य के तौर पर आए थे। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं राष्ट्रपति पुतिन के गृहनगर में फिर से आकर बहुत खुश हूं। **कदाकिन के नाम पर सड़क :** मोदी ने कहा कि दिल्ली में एक सड़क का नामकरण रूस के दिवंगत राजदूत अलेक्जेंडर कदाकिन के नाम पर किया गया है। उन्होंने कदाकिन को भारत का मित्र बताया। इसी साल जनवरी में दिल्ली में उनका निधन हो गया था।

एस-400 मिसाइल प्रणाली देने को तैयार : रूस ने कहा है कि वह भारत को एस-400 विमानभेदी मिसाइल प्रणाली देने के लिए तैयार है। दोनों देश इससे संबंधित शर्तो पर चर्चा कर रहे हैं। रूस के उप प्रधानमंत्री दिमित्री रोगोजिन ने मीडिया को यह जानकारी दी।

आपसी सम्मान पर टिका है रिश्ता

पुतिन के साथ भेंट के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और रूस का संबंध आपसी प्यार, सम्मान और भरोसे पर टिका हुआ है। संस्कृति से लेकर सुरक्षा तक हमारे संबंध बराबरी पर आधारित हैं। हम एक भाषा में बात करते हैं। इस बात का उल्लेख करते हुए कि दोनों देश अपने संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मोदी ने कहा कि इस दौरान हमारे संबंध एक जैसे बने रहे।

जीएसटी की ऊंची दर से उद्योगों का अस्तिव खतरे में!

नई दिल्ली। इंडियन एसोसिएशन ऑफ एम्यूजमेंट पार्क एंड इंडस्ट्रीज का मानना है कि जीएसटी के तहत इस उद्योग पर 28 फीसद की भारी-भरकम कर दर थोपे जाने से इसका अस्तित्व संकट में आ जाएगा। सरकार के इस कदम से यह पार्क आर्थिक तौर पर अलाभकारी हो जाएंगे। नतीजतन उन्हें बंद करने पर विवश होना पड़ सकता है। एसोसिएशन ने इस बात पर आपत्ति जतायी है कि उनके उद्योग को केसिनो, बैटिंग एवं रेसकोर्स के समकक्ष रखा गया है। जबकि इसकी सामाजिक संरचना एवं पर्यटन को आकर्षित करने वाली भूमिका को नजरंदाज किया गया है। ऐसे में जीएसटी की ऊंची दर बच्चों की पिकनिक में खलल का कारण बन सकती है। एसोसिएशन की राय में इस प्रकार के करों से उद्योग पर भारी बोझ पड़ेगा जो कि पहले से ही मनोरंजन कर के साथ ही 15 फीसदी के सेवा कर के बोझ से जूझ रहा है। इस उद्योग पर लक्जरी कर थोपा जाना भी गलत है क्योंकि मनोरंजन पार्क (एम्यूजमेंट पार्क) परिवारों के आमोद-प्रमोद का स्थान होते हैं। भारत में उद्योग को अभी तक शैशवकाल की श्रेणी में माना जाता है। इसके लिए विशाल निवेश की आवश्यकता होती है और काफी लंबे समय बाद इससे आय की संभावना रहती है। मेगा पार्कों में कम से कम 700 करोड़ रुपए का निवेश भूमि और राइड्स विकसित करने में करना पड़ता है। वहीं मध्यम आकार के पार्क पर यह निवेश न्यूनतम 100 करोड़ के आसपास बैठती है। यह पूर्ण रूप से मौसमी कारोबार होता है और इसे ऑफसीजन में भी उसी प्रकार से परिचालित करने की जरूरत होती है। यह उद्योग किसी प्रकार के प्रमुख कच्चे माल का उपयोग नहीं करता और इसका इनपुट क्रेडिट भी दो-तीन फीसद से ज्यादा नहीं होता इसलिए इस मनोरंजन उद्योग इस प्रकार की उच्च जीएसटी दर लगाना न्यायोचित नहीं है।

साक्षरता किताबों पर टैक्स न लगाने की मांग

छोटे बच्चों को अक्षर ज्ञान देने वाली और उन्हें विभिन्न शुरुआती गतिविधियों का अवसर मुहैया करवाने वाली किताबों को जीएसटी के दायरे में लाये जाने का प्रकाशकों ने विरोध किया है। सामान्य पुस्तकों को तो जीएसटी से बाहर रखा गया है, लेकिन छोटे बच्चों की वर्क बुक, पिक्चर बुक, ड्राइंग और कलरिंग बुक और एक्टिविटी बुक को इसमें शामिल कर लिया गया है। एसोसिएशन ऑफ स्कूल बुक पब्लिशर्स (एएसबीपी) के सचिव नवीन जोशी का कहना है कि भारत के संविधान के मुताबिक ज्ञान और शिक्षा की सहज उपलब्धि भारतीय नागरिकों का मौलिक अधिकार है। इसी तरह भारत ने यूनेस्को की संधि पर भी दस्तखत किया है जिसके तहत ज्ञान पर किसी तरह का कर नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने वित्त राज्य मंत्री संतोष गंगवार से मुलाकात कर कहा है कि दूसरी किताबों की तरह इन्हें भी जीएसटी से बाहर रखा जाए। साथ ही इनका कहना है कि स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबें अनिवार्य करने से भारत का प्रकाशन व्यवसाय चौपट हो जाएगा। पुस्तक प्रकाशन में भारत आज दुनिया में सातवें स्थान पर है। भारतीय प्रकाशन का 70 फीसदी हिस्सा सिर्फ स्कूली किताबों का ही है।

खनन माफिया का पुलिस पर हमला, सिपाही घायल

पीलीभीत। बेखौफहो चुके खनन माफिया ने गुरुवार को पुलिस टीम पर ही हमला कर दिया। इसमें सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि साथ में मौजूद होमगार्ड सिपाही को पिटता देख भाग निकला। सूचना मिलने पर कोतवाल फोर्स समेत पहुंचे तब तक हमलावर फरार हो गए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। बताते हैं कि कोतवाली की पवन मोबाइल नंबर 4 गुरुवार सुबह चार बजे मोहगा डालचंद की ओर गश्त कर रही थी। पवन मोबाइल पर कांस्टेबल अनिल कुमार और होमगार्ड बाबूराम की ड्यूटी थी। जैसे ही दोनों मोहगा डालचंद से देवहा नदी के किनारे की ओर बढ़े तभी उनकी नजर फावड़ा लेकर खनन को नदी की ओर जा रहे लोगों पर गई। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकना चाहा तो उन्होंने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। सिपाही को पिटता देख साथ में मौजूद होमगार्ड जान बचाकर भाग निकला। हमले के दौरान सिपाही को फावड़ा मारकर जान से मारने का प्रयास भी किया गया लेकिन सिपाही ने हाथ से प्रहार को रोक लिया। हमले में सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर कोतवाल देशपाल सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने खनन माफिया की तलाश में आसपास दबिश भी दी लेकिन सभी फरार हो गए। पुलिस ने कांस्टेबल अनिल की तहरीर पर 15 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली हैं। एसपी देवरंजन वर्मा ने बताया, आरोपी खनन करने जा रहे थे। पुलिस कर्मियों ने रोका तो उनकी पिटाई कर दी। इस मामले में 10 नामजद समेत 15 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

देश में पहली बार बना ग्रीन कॉरिडोर

मां का दूध 150 किमी दूर तक पहुंचाया जायेगा

जयपुर। देश में पहली बार मां का दूध एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। राजस्थान के भीलवाड़ा से 150 किमी दूर अजमेर में ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 62 लीटर मां का दूध पहुंचाया गया। आमतौर पर ग्रीन कॉरिडोर प्रत्यारोपण के लिए लिवर-किडनी आसानी से भेजने के लिए बनाया जाता है। मां का दूध लेकर भीलवाड़ा से चली वैन ने 150 किमी की दूरी करीब दो घंटे में तय की। इस दौरान दूध खराब नहीं हो, इसके लिए वैन के भीतर का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखा गया। दूध लेकर चली वैन को ट्रैफिक में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए अधिक यातायात वाली जगहों पर ट्रैफिक पुलिस तैनात थी। टोल प्लाजा को भी पहले से सूचना दे दी गई थी। वैन के साथ एक पुलिस वाहन भी चल रहा था। जीपीएस से निगरानी भीलवाड़ा के अतिरिक्त कलेक्टर आनंदी लाल वैष्णव ने बताया कि वैन पर भीलवाड़ा में जीपीएस तकनीक के जरिए पूरे समय निगरानी की गई। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा में स्तनपान कराने वाली मांओं ने स्वैच्छा से 62 लीटर दूध दान किया था। मां का दूध पहुंचाने के लिए अजमेर इसलिए चुना गया, क्योंकि अजमेर संभाग में एनएनआईसीयू में सबसे अधिक संख्या में नवजात भर्ती हैं। अजमेर में शिशु मृत्यु दर अधिक है और यह भीलवाड़ा के करीब भी है। अजमेर में मां के दूध का कोई बैंक नहीं है। बैंक में जमा मां का दूध इस्तेमाल करने से शिशु मृत्यु दर को 22 प्रतिशत से घटाकर 16 प्रतिशत पर लाया जा सकता है। राजस्थान सरकार की दूध बैंक परियोजना के राज्य सलाहकार देवेंद्र अग्रवाल ने बताया कि नवजात के लिए मां का दूध अमृत है और इसका दान उन मांओं के लिए भी वरदान है जो किन्हीं कारणों से अपने बच्चों को स्तनपान नहीं करा पाती हैं। राजस्थान में कार्यरत 11 दूध बैंकों को 3500 से अधिक मांओं ने दूध दान किया है। मुंबई के धारावी से हुई शुरुआत देश में मां के दूध का बैंक सबसे पहले वर्ष 1989 में मुंबई के धारावी में खुला। अभी देश में राजस्थान, पुणे, हैदराबाद व दिल्ली, कोलकाता में ऐसे 20 दूध बैंक खुल चुके हैं। हालांकि ब्राजील व ब्रिटेन की तुलना में यह संख्या बहुत कम है, जबकि भारत में हर साल 2.60 करोड़ बच्चे जन्म ले रहे हैं। ब्रिटेन में हर साल मात्र आठ लाख बच्चे पैदा होते हैं और वहां ऐसे बैंक की संख्या 17 है।

दिल्ली के एनसीआर क्षेत्र में भूकंप के तेज झटके

तीव्रता 5 मापी गई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार की सुबह 4.27 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5 थी। हरियाणा के रोहतक में भूकंप का केंद्र था। इसके बाद रोहतक में एक बार फिर सुबह 8 बजे के करीब भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन इस बार इसकी तीव्रता पहले कम 3.2 रही। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। शुक्रवार को तड़के जब दिल्ली और इससे सटे इलाकों में लोग गहरी नींद में डूबे हुए थे तब अचानक लगे झटकों ने उन्हें चौंका दिया। राजधानी से सटे हरियाणा के रोहतक जिले में आए भूकंप ने आसपास के इलाकों को हिला दिया। बताया जाता है कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5 थी और इसका केंद्र रोहतक जिले के खरखोदा नामक स्थान पर 22 किलोमीटर गहराई में था। अब तक प्राप्त जानकारी के मुताबिक यूपी के शामली, हरियाणा के जींद और रोहतक में भूकंप के तेज झटके महसूस किए जाने की खबर है। फिलहाल इस भूकंप से किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप के झटके लगने पर जागे लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। रोहतक में जब अलसुबह अचानक पंखे, खिड़की-दरवाजे हिलने लगे तो लोग घबरा गए। वे घरों से बाहर निकल आए। कुछ लोगों ने तुरंत सोशल मीडिया पर इस भूकंप के बारे में पुष्टि करनी चाही तो कुछ ने अपने अनुभव साझा किए।

मोर पर हाईकोर्ट के जस्टिस का दिया बयान गलतः डॉ. संदीप

कोलकाता। राजस्थान हाई कोर्ट के जस्टिस महेशचंद्र शर्मा के मोर पर दिए बयान को पक्षी वैज्ञानियों ने गलत बताया है। जस्टिस शर्मा ने बुधवार को कहा था कि मोर आजीवन ब्रह्मचारी होता है। उसके आंसू को चुगकर मोरनी गर्भवती होती है। इस बात को पशु चिकित्सा महाविद्यालय महू के प्रोफेसर डॉ. संदीप नानावटी ने पूरी तरह भ्रामक और गलत बताया। प्रोफेसर डॉ. संदीप नानावटी ने कहा कि यह अवैज्ञानिक और असत्य है। बगैर संसर्ग (सेक्स) के मोरनी बच्चों को जन्म नहीं दे सकती। वास्तविकता यह है कि मोर शर्मिला पक्षी है, इसलिए वह एकांत मिलने पर ही सहवास करता है। यही वजह है कि लोगों में यह भ्रांति है कि मोर के आंसू चुगकर मोरनी गर्भवती होती है। वहीं, देश के ख्यात पक्षी विज्ञानी विक्रम ग्रेवाल ने भी जस्टिस शर्मा के बयान को गलत बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पक्षी मोर भी अन्य पक्षियों की तरह मोरनी से सहवास कर प्रजनन करता है। आंसू पीकर गर्भवती होने की बात में कोई सच्चाई नहीं है। इसका कोई वैज्ञानिक आधार भी नहीं है। ऐसा कहकर हम दुनिया के सामने उपहास का पात्र बनते हैं। लोग आश्चर्य कर रहे हैं कि ऐसी बातें अब भी कही जाती हैं। गौरतलब है कि जस्टिस शर्मा ने बुधवार को राजस्थान के हिंगोनिया गोशाला को लेकर दायर एक याचिका पर सुनवाई के बाद गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की सिफारिश की थी। बुधवार को उनके कार्यकाल का अंतिम दिवस था। इसी संदर्भ में उन्होंने मोर का उदाहरण दिया था। बारिश के मौसम में मोर पंख फैलाकर मोरनी को आकर्षित करने का प्रयास करता है। संसर्ग के बाद मोरनी के अंडों से मोर के बच्चों का जन्म होता है। ऐसे में मोर के जीवन भर ब्रह्मचारी रहने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

तुर्की और यूक्रेन के बीच पासपोर्ट मुक्त यात्रा शुरू

अंकारा। तुर्की और यूक्रेन के नागरिकों के लिए खुशी की खबर है। दोनों देशों के बीच हुए एक समझौते के तहत अब दोनों देशों के लोग बिना पासपोर्ट के एक दूसरे के देश में घूम सकते हैं। नए नियम गुरुवार को प्रभावी हो गए हैं। 14 मार्च को तुर्की के प्रधान मंत्री बिनाली यिलडीरिम और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोडीर ग्रॉसमैन के बीच हुए पारस्परिक यात्रा समझौते के तहत अब दोनों देशों के नागरिक 90 दिनों के लिए केवल राष्ट्रीय पहचान पत्र दिखा कर रह सकते हैं। तुर्की में यूक्रेन के राजदूत एंद्री ने कहा कि तुर्की और यूक्रेन दोनों देशों को इस समझौते से फायदा होगा। पिछले साल, यूक्रेन से दस लाख से अधिक पर्यटक तुर्की गए थे, जबकि 2 लाख से अधिक तुर्की पर्यटकों ने यूक्रेन की यात्रा की थी।

तत्काल आवश्यकता है

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र रायगढ़ एवं जशपुर जिले हेतु रिपोर्टर/संवाददाता चाहिए तत्काल संपर्क करें

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
श्रीराम कॉलोनी,स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास,रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9039961090

ऑफसेट प्रिंटिंग - न्यूज पेपर प्रिंटिंग

वेस्ट जर्मनी की ऑफसेट मशीन * हेडलबर्ग * से 4 कलर की प्रिंटिंग होती है।
प्रिंटिंग जॉब हेतु तत्काल सम्पर्क करें

न्यायसाक्षी प्रिंटर्स एण्ड प्रेस
श्रीराम कॉलोनी, स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9589876400

C M Y K